

भारत की छठी लघु सचिाई गणना

प्रलिस के लयि:

लघु सचिाई गणना, लघु सचिाई योनाएँ

मेन्स के लयि:

सचिाई से संबंघति पहल, लघु सचिाई गणना का महत्त्व

[स्रोत: पी. आई. बी.](#)

चर्चा में क्यों?

जल शक्ति मंत्रालय ने पूरे भारत में सचिाई प्रथाओं की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए लघुसचिाई योनाओं (संदर्भ वर्ष 2017-18 के साथ) पर छठी गणना रिपोर्ट जारी की।

- अब तक क्रमशः संदर्भ वर्ष 1986-87, 1993-94, 2000-01, 2006-07 और 2013-14 के साथ पाँच गणनाएँ की गई हैं।

रिपोर्ट के प्रमुख बडि:

- कुल लघु सचिाई योनाएँ:**
 - देश में कुल 23.14 मिलियन लघु सचिाई (MI) योनाएँ बताई गई हैं।
 - इनमें से 21.93 मिलियन (94.8%) भूजल (GW) और 1.21 मिलियन (5.2%) सतही जल (SW) योनाएँ हैं।
- योनाओं के प्रमुख प्रकार:**
 - लघु सचिाई योनाओं में खोदे गए कुओं की हसिसेदारी सबसे अधिक है, इसके बाद कम गहरे ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल हैं।
 - पाँचवी गणना की तुलना में छठी लघु सचिाई गणना के दौरान लघु सचिाई योनाओं में लगभग 1.42 मिलियन की वृद्धि हुई है।
 - राष्ट्रीय स्तर पर भूजल और सतही जल स्तर की योनाओं में क्रमशः 6.9% और 1.2% की वृद्धि हुई है।
- MI योनाओं में अग्रणी राज्य:**
 - भारत में MI योनाओं में उत्तर प्रदेश अग्रणी है तथा इसके बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमलिनाडु का स्थान है।
 - खोदे गए कुओं, सतही प्रवाह और सतही लफिट योनाओं में महाराष्ट्र अग्रणी राज्य है।
 - उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब क्रमशः उथले ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल के मामले में अग्रणी राज्य हैं।
 - SW योनाओं में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, ओडिशा और झारखंड की हसिसेदारी सबसे अधिक है।
- स्वामतिव वशिलेषण:**
 - लगभग 96.6% MI योनाएँ नजी स्वामतिव के अधीन हैं।
 - GW योनाओं में नजी संस्थाओं का स्वामतिव 98.3% है एवं SW योनाओं में यह हसिसेदारी 64.2% की है।
 - पहली बार MI योना के हसिसेदारों के लयि पर डेटा एकत्र कया गया था।
 - व्यक्तिगत स्वामतिव वाली 18.1% योनाओं का स्वामतिव महिलाओं के पास है।
- वतिवपोषण और स्रोत:**
 - लगभग 60.2% योनाओं का वतिवपोषण एकल स्रोत से कया जाता है।
 - व्यक्तिगत कसिानों की स्वयं की बचत, एकल-स्रोत वतिवपोषण (79.5%) में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
 - 39.8% योनाओं में वतिव के एक से अधिक स्रोत हैं।

लघु सचिाई योना:

- लघु सचिाई योजना एक प्रकार की सचिाई परियोजना है जो 2,000 हेक्टेयर तक के कृषि योग्य कमांड क्षेत्र (CCA) की सचिाई के लिये सतही जल या भूजल का उपयोग करती है।
 - CCA ऐसा क्षेत्र है जो खेती के लिये उपयुक्त होता है और योजना के तहत सचिाई किया जा सकता है।
- लघु सचिाई योजनाओं को दो प्रमुख श्रेणियों और छह उप-श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।
 - भूजल (GW) योजनाओं में खोदे गए कुएँ, उथले ट्यूबवेल, मध्यम ट्यूबवेल और गहरे ट्यूबवेल शामिल हैं।
 - सतही जल (SW) योजनाओं में सतही प्रवाह और सतही लफिट योजनाएँ शामिल हैं।
- लघु सचिाई योजनाएँ किसानों को नयित्तरति और समय पर सचिाई सुविधा प्रदान करती हैं जिसमें बीजों की नई उच्च उपज वाली कसिाओं की मांग होती है। ये योजनाएँ श्रम प्रधान, कम कार्यान्वयन अवधिवाली होती हैं और इन्हें शुरू करने के लिये उचित निविश की आवश्यकता होती है।

सचिाई से संबंधित सरकार द्वारा की गई पहलें:

- [प्रधानमंत्री कृषि सचिाई योजना \(PMKSY\)](#)
- [प्रतिबुद्ध अधिकि फसल](#)
- मशिन काकतीय

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-6th-minor-irrigation-census>

